सृजनात्मक विभाग के उत्तर
(Key for Creative Zone)

7. भक्ति पद

PART - A

I. 1) D 2) D 3) C 4) C 5) A

II. 1) B 2) D 3) A 4) C 5) B

III. 1. रैदास निर्गुण भक्तिधारा के महान कवि है । इनके भगवान निराकार निर्गुण ब्रह्म हैं । ये ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख कवियो में से एक माने जाते हैं । इन्होंने वैसे तो बहुत पदों का उल्लेख किया है जिनमें से ये चौपाइयों के लिए ज़्यादा प्रसिद्ध माने जाते हैं ।

मीराबाई कृष्णोपासक हैं । इनकी भक्ति भावना सगुण है । इनमें कृष्ण भक्ति शाखा की भावना निहित है । इनकी भक्ति माधुर्य है । इनके भगवान श्रीकृष्ण हैं । इनकी पदों को मीराबाई पदावली के नाम से भी जाना जाता है ।

2. पानी - समानी, मोरा - चकोरा, दासा - रैदासा, पायो - अपनायो, खोवायो - सवायो, आयो - गायो ।

PART - B

1) D 2) B 3) C 4) C 5) D
6) A 7) C 8) A 9) A 10) A
11) A 12) B 13) C 14) B 15) B
16) C 17) A 18) D 19) A 20) B

8. स्वराज्य की नींव

PART - A

I. 1. लक्ष्मीबाई की सेना में अनुशासन नहीं है ।
2. शाबाश मेरी कर्नल, तुम लोगों से मुझे यही आशा है । यह वाक्य लक्ष्मीबाई ने कहा ।
3. के पास शब्द के विलोम है - के दूर ।
4. स्वराज्य की नींव महान नारियाँ हैं ।
5. नींव शब्द का अर्थ है - आधार ।

II. 1) C 2) D 3) D 4) C 5) A

III. 1. ''हाँ, मैं उनको अपना स्वामी मानती हूँ । और मानती रहूँगी । लेकिन उनसे भी अधिक मैं महारानी को अपना स्वामी मानती हूँ और महारानी से भी बढ़कर मैं अपने देश को अपना स्वामी मानती हूँ । देश के लिए मैं सरदार को भी ठुकरा सकती हूँ, ठुकरा चुकी हूँ''। - जूही का यही कथन मुझे बहुत अच्छा लगा । क्योंकि वह प्राथमिकता के अनुसार देश की रक्षा के लिए क्रमशः अपना एक-एक प्रिय व्यक्ति को भी छोड़ना चाहती है । प्राण प्रिय से महारानी, महारानी से देश बढ़कर है । इसलिए देश की रक्षा में वह अपना स्वामी सरदार को भी ठुकराने को तैयार होती है ।

2. झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई एक वीरांगना और कर्मपरायण नारी थीं । उन्होंने अंग्रेजों की नींद हराम कर रखी थी । उन्होंने अंग्रेजों की कूटनीति को सफल नहीं होने दिया था और रूकावटें लाती गयीं । आनेवाली विपत्तियों को पहले ही भाँप कर उसका हल निकाल लेती थी । उन्होंने स्वराज्य की महत्ता से लोगों को अवगत कराया । उन्होंने लोगों को स्वतंत्रता का स्वाद चखाया था । लक्ष्मीबाई ने छुआ - छूत, ऊँच - नीच का भेद मिटाया । विलासप्रियता को छोड़कर जन सेवक बनना पसंद किया । सेवा, तपस्या और बलिदान से स्वराज्य प्राप्त करने के हर संभव प्रयास किये । उन्होंने जूही, मुंदर, तात्या जैसे देश भक्तों और देश प्रेमियों की सहायता से स्वराज्य प्राप्ति की योजनाएँ बनायी थीं । लक्ष्मीबाई ने स्वराज्य प्राप्त के लिए सारे सुखों को त्याग दिया था । उन्होंने अपने जीवन में यह सिद्ध कर दिखाया कि आवश्यकता पड़ने पर अबला भी सबला बन सकती है । स्त्रियाँ अबला नहीं होतीं । आवश्यकतानुसार सबला बन जाती हैं ।

इस प्रकार लक्ष्मीबाई ने स्वराज्य प्राप्त करने हेतु अंग्रेजों से वीरतापूर्वक युद्ध करते हुए स्वयं ''स्वराज्य की नींव'' का पत्थर बन गयीं । कई देशप्रेमियों और देशभक्तों को प्रेरणा दीं ।

PART - B

1) C 2) A 3) D 4) A 5) B
6) B 7) C 8) D 9) B 10) A
11) C 12) C 13) B 14) A 15) C
16) C 17) A 18) A 19) A 20) B

9. दक्षिणी गंगा गोदावरी

PART - A

I. 1. गोदावरी नदी की चौडाई पश्चिम दिशा की अपेक्षा पूरब में थी ।
2. लेखक पूरब की तरफ देखना छूट गया ।
3. धीर-गंभीर माता गोदावरी नदी थी ।
4. टापुओं में वनश्री की शोभा खिल रही थी ।
5. नदियों को सागर में मिलना था ।

II. 1) D 2) B 3) D 4) A 5) A

III. 1.

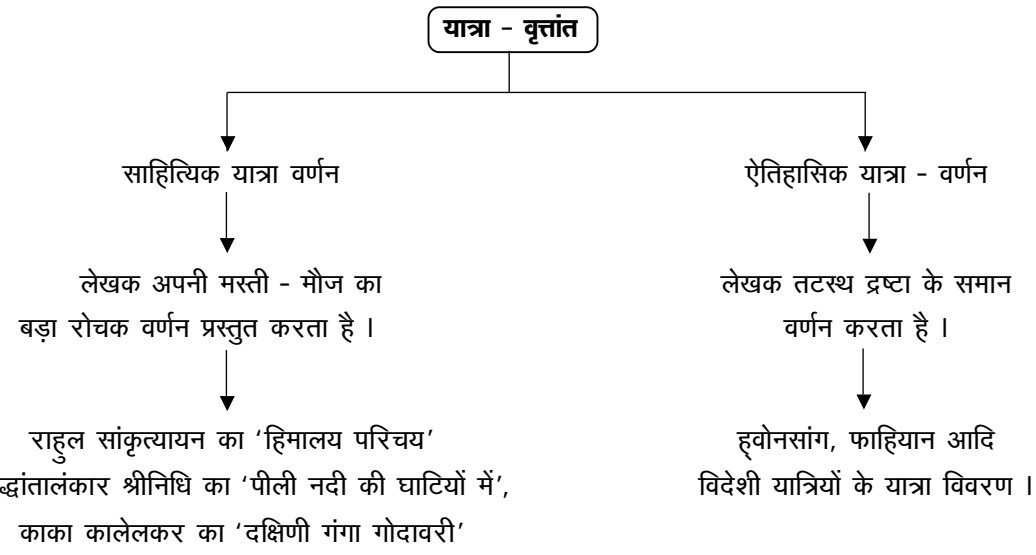

2. गंगा नदी भारत में बड़ी नदी है । सारे भारतीय उसे देवता और माता का स्वरूप मानते हैं । उसे पवित्र और पावन मानते हैं । वह उत्तर भारत में है । उसी प्रकार गोदावरी नदी को भी देवता, माता, पवित्र और पावन मानते हैं । यह नदी दक्षिण भारत में है । इसलिए लेखक ने गोदावरी को दक्षिणी गंगा कहा होगा ।

PART - B

1) C	2) D	3) C	4) C	5) D
6) B	7) B	8) A	9) C	10) B
11) C	12) A	13) A	14) D	15) B
16) C	17) B	18) A	19) D	20) C

10. नीति दोहे

PART - A

I. 1) D 2) D 3) B 4) D 5) C

II. 1) A 2) C 3) B 4) D 5) A

III.1. नीति दोहे पाठ में रहीम और बिहारी के दो-दो दोहे हैं । रहीम कहते हैं कि संपत्ति मिलने पर बहुत लोग हमारे मित्र हो जाते हैं । वे हमारी संपत्ति के कारण हमारी मित्रता स्वीकार करते हैं । लेकिन विपत्ति के समय जो हमारा साथ दे वही हमारा सच्चा मित्र है ।

रहीम का कहना है कि हमें अपना सम्मान बनाए रखना चाहिए । यहाँ पानी मनुष्य के सम्मान का प्रतीक है । रहीम कहते हैं कि मनुष्य के लिए सम्मान वैसा ही है जैसा कि मोती के लिए चमक और आटे के लिए पानी ।

बिहारी का कहना है कि सोना, धतूरे से सौगुणा अधिक जहरीला और नशीला है । क्योंकि धतूरा तो खाने से लोग पागल होते हैं, लेकिन सोना तो पाकर ही लोग पागल हो जाते हैं ।

बिहारी कहते हैं कि मनुष्य और नल के पानी की स्थिति समान है । नल का पानी जितना ही नीचे जाता है पुन : उतना ही ऊपर उठता है । उसी प्रकार मनुष्य जितना अधिक विनम्र होता है उतना ही विकास करता है, वह उतना ही अधिक यश प्राप्त करता है ।

2. पानी के विभिन्न अर्थ हैं - कांति या चमक, मान-प्रतिष्ठा और जल । पानी अर्थात् कांति या चमक के बिना मोती व्यर्थ है । पानी अर्थात् मान-प्रतिष्ठा के बिना मानव व्यर्थ है । पानी अर्थात् जल के बिना चूना व्यर्थ है । इसलिए 'पानी' को साथ रखना चाहिए ।

PART - B

1) C	2) C	3) A	4) C	5) B
6) A	7) B	8) A	9) B	10) D
11) C	12) C	13) C	14) A	15) A
16) B	17) A	18) B	19) B	20) C

11. जल ही जीवन है

PART - A

I. 1. वैज्ञानिक भूवैज्ञानिक विषय के थे ।
2. वैज्ञानिक पानी की समस्या पर चर्चा कर रहे थे ।
3. शाम ढलने के बाद लोग अपने - अपने घर चले गये।
4. प्रो. दीपेश बगीचे में बैठकर सोच रहे थे ।
5. अचानक प्रो. दीपेश की नज़र एक तारे पर पडी ।

II. 1) C 2) A 3) C 4) A 5) B

III. 1. हमारी पाठशाला में पाँच विद्यार्थी दल हैं । हर दल के एक शिक्षक पर्यवेक्षक होते हैं । एक-एक दल एक-एक महीना जल संरक्षण समिति के रूप में काम करती है । यह समिति महीने-महीने पानी की टंकी को साफ़ कराती है । पानी को बरबाद न करने से रोकती है । पानी बरबाद करनेवालों से नालियों को साफ़ कराती है । पानी से हाथ-पैर-मुँह धोने के बाद, उस पानी को पाठशाला के उपवन में बहाया जाता है । पेड़-पौधों को, लता-गुल्मों को वह पानी सींचता है ।

मेरा सुझाव है कि हर सोमवार को पाठशाला की सभा में जल की विशेषता से संबंधित विषय बताना चाहिए । पानी का सही सदुपयोग करनेवालों को पुरस्कार भी देने चाहिए ।

2. पृथ्वी-ग्रह से एक प्रकाशवर्ष दूर से निकटस्थ ग्रह का जल जहरीला हो गया । उस ग्रह पर महामारी फैलने के कारण लोग मरने लगे । पीने का शुद्ध पानी नहीं है । इसलिए वे ग्रहवासी पृथ्वी की जलनिधि को एक हफ़्ते से चुराने लगे । यही पृथ्वी का जलस्तर एकाएक कम होने का कारण है ।

PART - B

1) A	2) D	3) C	4) A	5) B
6) B	7) B	8) B	9) B	10) C
11) C	12) A	13) B	14) C	15) B
16) D	17) A	18) A	19) A	20) A

12. धरती के सवाल अंतरिक्ष के जवाब

PART - A

I. 1. सारी दुनिया के आदर्श महापुरुष ''ए.पी.जे. अब्दुल कलाम'' हैं ।

2. भारतवासी ''ए.पी.जे. अब्दुल कलाम'' के ऋणी हैं ।

3. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम हमारे लिए गुरू के समान हैं।

4. देश शब्द का विलोम है - विदेश ।

5. मुझे अब्दुल कलाम ने प्रेरणा के रूप में अग्नि पंख दिये हैं ।

II. 1) C 2) B 3) C 4) C 5) D

III. 1. छात्र जिस कक्षा में पढ़ता है, उसे उसमें आगे बढ़ने के लिए, विद्यार्थी खूब परिश्रम करना है । उसके जीवन में एक लक्ष्य बनाना है । उसे प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और अनुभव प्राप्त करना है । बाधाओं से लड़ते हुए उन पर विजय प्राप्त करनी है । निरंतर प्रयत्नशील रहते हुए सबसे बढ़िया काम करने की ओर बढ़ते रहना चाहिए । नैतिक मूल्यों को भी ग्रहण करना चाहिए । छुट्टियों के दिनों में गरीब बच्चों को पढ़ाना चाहिए । पौधे लगाकर पर्यावरण को संतुलित करना चाहिए । इस प्रकार हमें एक छात्र के रूप में विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए ये कार्य करने चाहिए । ये कार्य न केवल हमको, बल्कि हमारे राष्ट्र को भी विकसित और समृध्दि के पथ पर ले जाएँगे ।

2. सन् 1985 में डी.आर.डी.ओ. द्वारा देश भर के दस युवा वैज्ञानिकों को चुना गया, उसमें टेसी थॉमस का नाम भी था । उस दिन उनकी खुशी की कोई सीमा नहीं थी । तभी उन्होंने महसूस किया कि अपने सपनों को पंख मिल गए थे ।

PART - B

1) B	2) B	3) A	4) A	5) B
6) A	7) A	8) D	9) B	10) C
11) D	12) B	13) C	14) C	15) C
16) A	17) A	18) B	19) C	20) D

❖❖❖❖❖